भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 514
बुधवार, 06 दिसंबर, 2023 को उत्तर देने के लिए

भारत के भविष्य के अंतरिक्ष मिशन

514. डॉ. उमेश जी. जाधव:
डॉ. मनोज राजोरिया:
श्री तेजस्वी सूर्या:
श्री नलीन कुमार कटील:
श्री प्रताप सिम्हा:
श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 2024 और 2025 में नियोजित और प्रक्षेपित किए जाने वाले भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों और मिशनों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इसरो द्वारा ऐसे कितने मिशनों का नेतृत्व किया जाएगा और अन्य अंतरिक्ष परियोजनाओं का नेतृत्व करने वाले संगठन कौन-कौन से हैं;

(ग) अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास के लिए कार्य कर रहे भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप और कंपनियों की संख्या का ब्यौरा क्या है और उनकी सहायता के लिए सरकार द्वारा क्या प्रोत्साहन प्रदान किए गए हैं; और

(घ) इन घटनाक्रमों का ब्यौरा क्या है और इससे क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) वर्ष 2024 और 2025 के दौरान इन्सैट-3डीएस, निसार, रिसैट-1बी, रिसोर्ससैट-3, टीडीएस-01, स्पेडेक्स, ओशनसैट-3ए, आईडीआरएसएस, जीसैट-20, एनवीएस-02 अंतरिक्ष मिशनों के प्रक्षेपण की योजना है। इसके अलावा, आगामी वर्षों में गगनयान कार्यक्रम और पुनरुपयोगी प्रक्षेपण यान (आरएलवी) के तहत परीक्षण उड़ानों की भी योजना बनाई गई है।

...2/-

(ख) निसार को छोड़कर, ऊपर सूचीबद्ध सभी मिशनों का नेतृत्व इसरो द्वारा किया जाएगा। नासा-इसरो संश्लेषी द्वारक रडार (निसार) को नासा और इसरो द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया जा रहा है।

(ग) नवंबर 2023 तक अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए इन-स्पेस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाले स्टार्टअप और कंपनियों की कुल संख्या 523 है। इनमें से 297 कंपनियों ने अनुसंधान एवं विकास तथा परीक्षण के लिए इसरो से सहायता की मांग करते हुए इन-स्पेस को आवेदन प्रस्तुत किए हैं। सरकार द्वारा निजी क्षेत्र के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र को खोल देने के साथ, निजी क्षेत्र को निम्नलिखित सहायता संबंधी गतिविधियां उपलब्ध करायी जा रही हैं:

1. मेंटरशिप के साथ-साथ इसरो सुविधा उपयोग सहायता प्रदान करना।
2. गैर सरकारी कंपनियों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।
3. नए विचार को प्रोटोटाइप विकास में बदलने के लिए स्टार्टअप को इन-स्पेस बीज निधि सहायता।
4. इसरो की सुविधा के उपयोग हेतु गैर सरकारी कंपनियों को इन-स्पेस मूल्य सहायता।
5. अंतरिक्ष परितंत्र के सभी हितधारकों को जोड़ने के लिए इन-स्पेस डिजिटल प्लेटफॉर्म का निर्माण।
6. इन-स्पेस डिजाइन लैब की स्थापना की गई, जहां पर स्टार्टअप द्वारा महत्वपूर्ण अंतरिक्ष प्रणालियों/ उप-प्रणालियों के डिजाइन और विश्लेषण के लिए अति-उन्नत अनुकारी सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा सकता है।
7. उभरते अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कौशल विकास।

(घ) सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 की घोषणा की है, जो अंतरिक्ष गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में गैर सरकारी कंपनियों की आद्योपांत भागीदारी को सक्षम बनाती है। अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रोत्साहन और सुधार से निम्नलिखित विकास और प्रभाव हासिल हुए हैं:

1. अंतरिक्ष स्टार्ट-अप की संख्या वर्ष 2014 में मात्र 1 से बढ़कर वर्ष 2023 में 200 से अधिक हो गई है।
2. भारतीय अंतरिक्ष स्टार्ट-अप में निवेश बढ़कर 124.7 मिलियन डॉलर हो गया है।

3. मैसर्स ध्रुव स्पेस, मैसर्स पिक्सेल, मैसर्स स्पेस किड्ज़ द्वारा अपने ही उपग्रहों का प्रक्षेपण किया गया। कई अन्य अंतरिक्ष उद्योग और स्टार्ट-अप भी अपने उपग्रहों और उपग्रह-समूहों का निर्माण कर रहे हैं। ये उपग्रह कृषि, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी आदि अनुप्रयोगों में योगदान देंगे।

4. मैसर्स स्काईरूट एयरोस्पेस प्रा. लिमिटेड ने अपने उप-कक्षीय प्रमोचन रॉकेट का प्रक्षेपण किया।

5. मैसर्स अग्निकुल कॉस्मोस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पहली बार इसरो परिसर के अंदर एक निजी प्रक्षेपण पैड और मिशन नियंत्रण केंद्र की स्थापना की गई। अग्निकुल द्वारा उप-कक्षीय प्रक्षेपण शीघ्र ही निर्धारित किया गया है।

6. वनवेब, स्पेस-एक्स, एसईएस, एडब्ल्यूएस और ऐसी अन्य कंपनियां उपग्रह-आधारित संचार समाधानों की खोज कर रही हैं। अंतरिक्ष-आधारित अनुप्रयोगों और सेवाओं में निजी कंपनियों की सहभागिता तेजी से बढ़ रही है।

7. उपग्रह एकीकरण और परीक्षण सुविधाएं निजी क्षेत्र में उभर रही हैं।

8. निजी क्षेत्र द्वारा उपग्रह उप-प्रणालियों और भूस्थित प्रणालियों का स्थानीय स्तर पर निर्माण किया जा रहा है।

9. भारतीय निजी अंतरिक्ष कंपनियां तेजी से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष संगठनों और कंपनियों के साथ सहयोग और साझेदारी कर रही हैं।

***